मुख्यमंत्री की मौजूदगी में केंद्र और राज्य के बीच हुआ समझौता, पूर्वांचल के लोगों को नहीं लगानी होगी लखनऊ-दिल्ली की दौड़

1750 करोड़ में बनेगा 750 बेड का गोरखपुर एम्स

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

गोरखपुर एम्स बनने की प्रक्रिया एक कदम और आगे बढ़ गई। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की मौजूदगी में केंद्र और राज्य सरकार के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। 1750 करोड़ रुपए की लागत से 750 बेड का अस्पताल होगा। प्रदेश में बनने वाले छह एम्स में यह पहला है। केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पीएमएसएसवाई डिवीजन के संयुक्त सचिव सुनील शर्मा और प्रदेश सरकार की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. अनीता भटनागर जैन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि गोरखपुर वर्तमान में एकमात्र बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज ही उपलब्ध है, जिस पर आसपास जिलों के मरीजों का भी दबाव रहता है। गम्भीर बीमारियों का इलाज कराने के लिए मरीजों को लखनऊ, दिल्ली जाना पड़ता है। अब गोरखपुर में एम्स की स्थापना से पूर्वांचल एवं उसके आस-पास के इलाकों तथा अन्य राज्यों की जनता को राहत मिलेगी और उन्हें इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा ने बताया कि एम्स की स्थापना गोरखपुर जिले के महादेव झारखण्डी गांव में 45.326 हेक्टेयर क्षेत्रफल में की जा रही है। इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जुलाई 2016 को किया गया था। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 1,750 करोड़ रुपये है। प्रदेश सरकार ने चिन्हित जमीन 90 वर्ष की लीज पर भारत सरकार को उपलब्ध करायी है। एम्स को बिजली सप्लाई के लिए स्वतंत्र फीडर बनाने को वर्ष 2017-18 के बजट में 36 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रस्तावित एमओयू के तहत जिन बिन्दुओं को शामिल किया गया है, उनमें प्रदेश सरकार द्वारा भूमि को लीज पर दिया जाना, चिन्हित स्थल पर 4-लेन संपर्क मार्ग, वाटर सप्लाई और स्वतंत्र विद्युत फीडर की स्थापना शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गुरुवार को गोरखपुर में बन रहे एम्स के सम्बन्ध में भारत सरकार तथा यूपी सरकार के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए

45.326 हेक्टेयर में बन रहा है गोरखपुर में एम्स

2019 स्थापित किए जा रहे हास्पिटल का निर्माण दिसम्बर, 2019 तक

90 वर्ष की लीज पर यूपी सरकार ने जमीन भारत सरकार को दी

भारत सरकार एम्स एक्ट के अनुसार इस जगह पर एम्स का निर्माण एवं उसका संचालन करेगी। इसके अलावा, एम्स के संचालन हेतु शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों का सृजन एवं उनपर भर्ती आदि की कवायद भी केंद्र ही करेगा। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टण्डन, चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. केके गुप्ता, केजीएमयू के कुलपति डॉ. एमएलबी भट्ट, एसजीपीजीआई के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर, आरएमएल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. दीपक मालवीय मौजूद थे।

ऐसा होगा एम्स

गोरखपुर में बन रहे इस एम्स में 750 बेड होंगे। इसमें एक एकेडमिक ब्लाक होगा और मरीजों के रिश्तेदारों के ठहरने के लिए रैन बसेरे की भी स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, इसमें एक आडीटोरियम, गेस्ट हाउस का भी निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इसमें 172 आवासों के साथ-साथ 120 छात्रों तथा 240 छात्राओं (कुल 360) के लिए यूजी हास्टल की भी स्थापना की जाएगी। साथ ही, 599 विद्यार्थियों के लिए पीजी हास्टल तथा 432 नर्सिंग स्टूडेंट के लिए भी हास्टल बनाया जाएगा। गोरखपुर एम्स ओपीडी में तीन संकाय होंगे, जिनमें सर्जिकल व अन्य विशिष्टता, मेडिसिन व अन्य विशिष्टता तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग सहित 29 विभाग प्रस्तावित हैं।